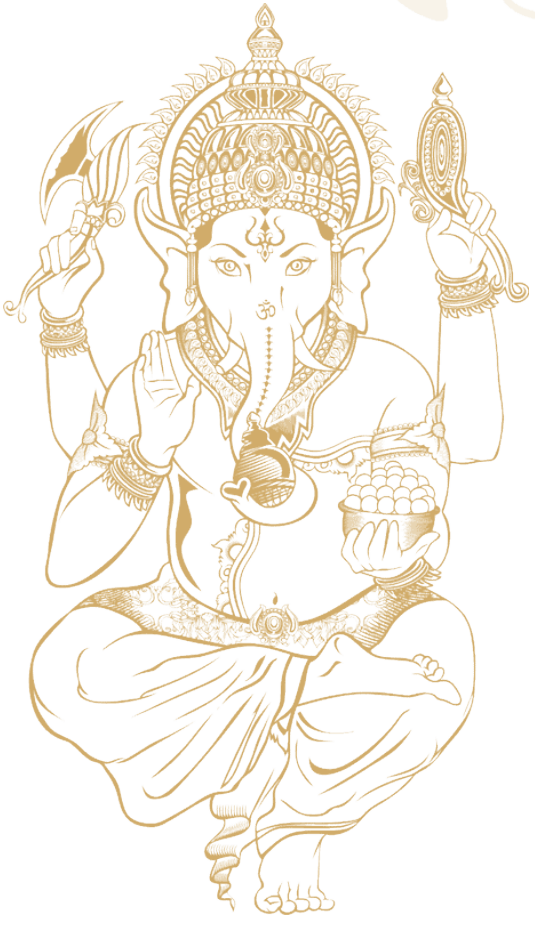

Rachana

21 Sep 1986

10:30 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120996002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/09/1986**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	40:55:05 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:09:44 घंटे
वेलान्तर	00:06:45 घंटे
साम्पातिक काल	22:10:50 घंटे
सूर्योदय	06:07:57 घंटे
सूर्यास्त	18:18:33 घंटे
दिनमान	12:10:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:44:30 कन्या
लग्न के अंश	23:27:11 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:27:11	354:49:04	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	---
सूर्य			कन्या	04:44:30	00:58:40	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			मेष	15:57:28	12:20:13	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
मंगल			धनु	27:41:55	00:26:36	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	17:27:43	01:37:45	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु	व		कुंभ	22:46:35	00:07:37	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			तुला	17:30:07	00:40:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चि	11:01:05	00:04:07	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:17:01	00:01:25	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:17:01	00:01:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	24:57:04	00:01:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप			धनु	09:22:56	00:00:14	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	12:07:13	00:02:02	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	06:58:38	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:11

लग्न-चलित

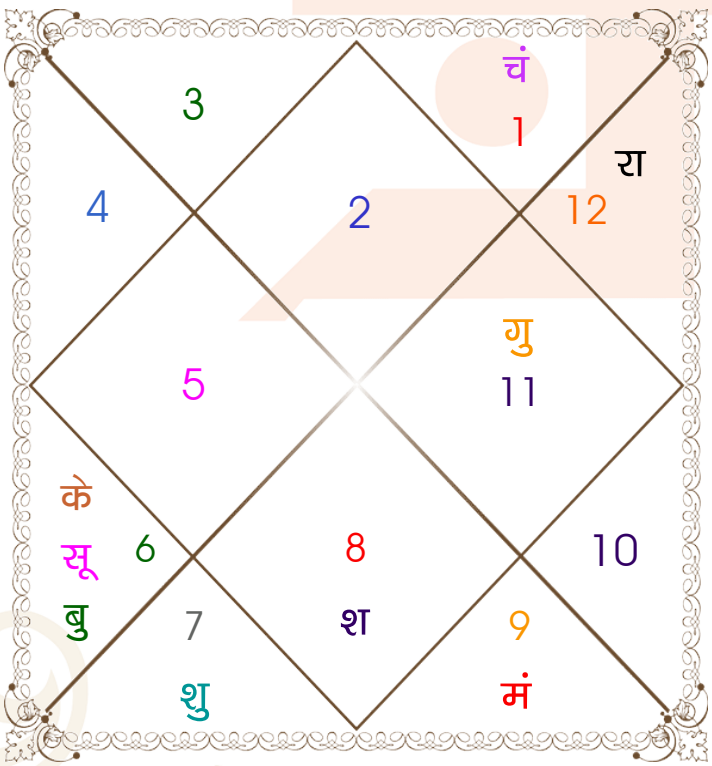

चन्द्र कुंडली

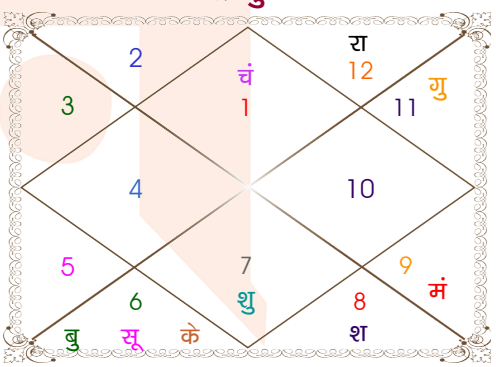

नवमांश कुंडली

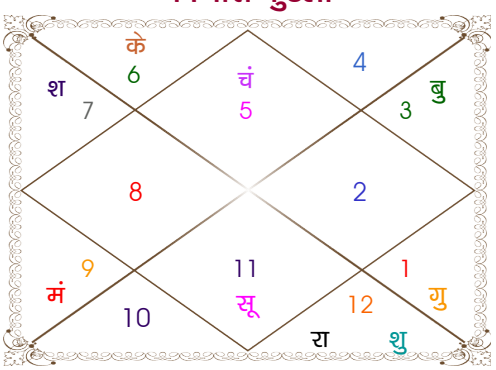

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 0 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/09/1986		15/10/2002		14/10/2008		15/10/2018		14/10/2025	
15/10/2002		14/10/2008		15/10/2018		14/10/2025		15/10/2043	
	21/09/1986	सूर्य	01/02/2003	चंद्र	15/08/2009	मंगल	13/03/2019	राहु	27/06/2028
सूर्य	13/02/1987	चंद्र	03/08/2003	मंगल	16/03/2010	राहु	30/03/2020	गुरु	20/11/2030
चंद्र	14/10/1988	मंगल	09/12/2003	राहु	14/09/2011	गुरु	06/03/2021	शनि	26/09/2033
मंगल	14/12/1989	राहु	01/11/2004	गुरु	13/01/2013	शनि	15/04/2022	बुध	15/04/2036
राहु	14/12/1992	गुरु	21/08/2005	शनि	15/08/2014	बुध	12/04/2023	केतु	03/05/2037
गुरु	15/08/1995	शनि	03/08/2006	बुध	14/01/2016	केतु	08/09/2023	शुक्र	03/05/2040
शनि	15/10/1998	बुध	09/06/2007	केतु	14/08/2016	शुक्र	07/11/2024	सूर्य	28/03/2041
बुध	15/08/2001	केतु	15/10/2007	शुक्र	15/04/2018	सूर्य	15/03/2025	चंद्र	26/09/2042
केतु	15/10/2002	शुक्र	14/10/2008	सूर्य	15/10/2018	चंद्र	14/10/2025	मंगल	15/10/2043

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/10/2043		15/10/2059		15/10/2078		15/10/2095		16/10/2102	
15/10/2059		15/10/2078		15/10/2095		16/10/2102		00/00/0000	
गुरु	02/12/2045	शनि	18/10/2062	बुध	12/03/2081	केतु	12/03/2096	शुक्र	14/02/2106
शनि	14/06/2048	बुध	27/06/2065	केतु	09/03/2082	शुक्र	12/05/2097	सूर्य	22/09/2106
बुध	20/09/2050	केतु	06/08/2066	शुक्र	07/01/2085	सूर्य	17/09/2097		00/00/0000
केतु	27/08/2051	शुक्र	05/10/2069	सूर्य	14/11/2085	चंद्र	18/04/2098		00/00/0000
शुक्र	27/04/2054	सूर्य	17/09/2070	चंद्र	15/04/2087	मंगल	14/09/2098		00/00/0000
सूर्य	13/02/2055	चंद्र	18/04/2072	मंगल	11/04/2088	राहु	03/10/2099		00/00/0000
चंद्र	14/06/2056	मंगल	27/05/2073	राहु	30/10/2090	गुरु	09/09/2100		00/00/0000
मंगल	21/05/2057	राहु	02/04/2076	गुरु	04/02/2093	शनि	18/10/2101		00/00/0000
राहु	15/10/2059	गुरु	15/10/2078	शनि	15/10/2095	बुध	16/10/2102		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा। वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगी। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगी। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगी।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगी। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति की प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगी। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहती है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद की सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करते है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाती है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाती हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहती हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहती हैं। आपकी पति अच्छे है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करती रहेंगी।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहती हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगी।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। किसी भी दशा में लाल रंग आपके लिए अनुकूल नही है। आपके लिए प्रमाणिक एवं लाभजनक रंग पीला, हरा एवं सफेद रंग ही उपयुक्त है।